मंगलवार
20 जून 2023

पृष्ठ 4
फलों का सेवन करते समय भूल से भी न करें ये गलतियां, पहुंच सकता है नुकसान

पृष्ठ 5
पाकिस्तान के दामाद तारा सिंह ने फिर सरहद की पार

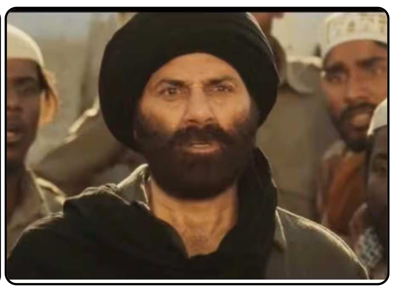

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 137
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

कुल की प्रतिष्ठा भी विनम्रता और सदव्यवहार से होती है, हेकड़ी और रुआब दिखाने से नहीं।
– प्रेमचंद

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

मुख्यमंत्री धामी ने किया राजकीय दून मेडिकल कॉलेज का औचक निरीक्षण

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी ने राजकीय दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल का औचक निरीक्षण कर वहां पर फैली गदंगी पर नाराजगी जाहिर करते हुए अधिकारियों को अस्पताल परिसर को स्वच्छ व सुंदर बनाये रखने के निर्देश दिये।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को देहरादून स्थित राजकीय दून मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चिकित्सालय परिसर में फैली गंदगी पर नाराजगी जाहिर करते हुए अधिकारियो को अस्पताल परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के निर्देष दिए। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में आए मरीजों का हालचाल जान, व्यवस्थाओं से संबंधित जानकारी ली। उन्होंने मरीजों के तीमारदारों से बातचीत कर अस्पताल में मौजूद संसाधनों, डॉक्टरों की उपलब्धता, दवाइयों की उपलब्धता, एवं खाने-पीने की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अस्पताल में मौजूद मरीजों

● अस्पताल परिसर को स्वच्छ व सुंदर रखेः धामी

के लिए बन रहे खाने को स्वयं जाकर देखा।

उन्होंने कहा मरीजों को मिलने वाले भोजन में किसी तरह की कोई कमी नहीं होनी चाहिए। सभी तरह के पोषक तत्व भोजन में पाए जाए, इसका भी विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने रजिस्ट्रेशन डेस्क में जाकर प्रतिदिन आने वाले मरीजों की संख्या के बारे में जाना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि स्वास्थ संबंधित जांच के लिए अस्पताल आए मरीजों को लंबी लाइन में ना लगाना पड़े इसके लिए रजिस्ट्रेशन डेस्क की संख्या में भी बढ़ोतरी की जाए। मुख्यमंत्री ने इमरजेंसी वार्ड में जाकर

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

घाट से समुदाय विशेष के लोगों को भगाये जाने का वीडियो वायरल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार के महाराजा अग्रसेन घाट पर मुस्लिम समुदाय के पारिवारिक सदस्यों को भगाये जाने का एक वीडियों सोशल मीडिया में वायरल हो जाने से हड़कंप मच गया। जानकारी मिलने पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

राज्य में इन दिनों लैंड जिहाद व लव जिहाद के खिलाफ प्रशासन अपनी कार्यवाही कर रहा है और खुद सीएम धामी द्वारा भी सभी से कानून अपने हाथ में न लेने की अपील की जा रही है। ऐसे में बीते रोज सोशल मीडिया पर एक वीडियों वायरल हुआ तो हड़कंप मच गया और पुलिस प्रशासन ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी गयी है। वायरल वीडियों में दिखाया गया है कि हरिद्वार के महाराजा अग्रसेन घाट पर कुछ लोगों द्वारा एक मुस्लिम परिवार के सदस्यों को भगाया जा रहा है और उन्हे वहां दोबारा न आने की बात एक युवक द्वारा कही जा रही है। हालांकि वीडियो में मुस्लिम युवक-युवतियां द्वारा उस युवक से बहस करते दिखाया गया है और उनमें से एक युवक तो कह रहा है वह हर की पैड़ी पर गाड़ी चलाता है। लेकिन उन्हें बाहर भगाने वाला युवक कुछ भी सुनने से इनकार करते हुए उनसे घाट परिसर से बाहर जाने को कहता रहता है। वीडियो सामने आने के बाद हरकत में आयी पुलिस ने घटना को संवेदनशील मानते हुए शहर क्षेत्राधिकारी जूही मनराल को मामले की जांच सौंप दी गयी है।

हालांकि मामले में आज सुबह मुस्लिम परिवार को भगाने वाला युवक मीडिया के सामने आया और उसने कहा कि मां गंगा हमारी आस्था का प्रतीक है और वह वहां पूजा कर रहा था जबकि मुस्लिम परिवार द्वारा वहां गंदगी फैलाई जा रही थी। उसने कहा कि यहां आने

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

नाबालिग चचेरी बहन से रेप के दोषी को 135 साल की सजा

कोच्ची। केरल की एक अदालत ने नाबालिग चचेरी बहन से दो साल पहले बार-बार दुष्कर्म करने और उसे गर्भवती करने के जुर्म में एक व्यक्ति को कुल 135 साल कैद की सजा सुनाई।

सरकारी वकील रघु ने बताया कि हरिपद फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के न्यायाधीश साजी कुमार ने 24 वर्षीय दुष्कर्म के दोषी को कुल 135 साल की सजा सुनाई। जब पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया गया था तब वह 15 साल की थी।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक दोषी पीड़िता के पिता के बड़े भाई का बेटा था और वह बच्ची को स्कूल लेकर जाता था और घर वापस उसकी नानी के पास लेकर आता था। बच्ची दोषी के काफी करीब थी इसलिए उसपर भरोसा करती थी। निकटता का फायदा उठाते हुए युवक ने नहाते समय बच्ची का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद पीड़िता को ब्लैकमेल करने लगा। फिर बार-बार दुष्कर्म किया जिससे वह गर्भवती हो गई। वकील ने बताया कि पीड़िता ने एक बच्चे को भी जन्म दिया। फिलहाल बच्ची को बाल कल्याण समिति की देखरेख में रखा गया है।

ममता सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका, प. बंगाल पंचायत चुनाव में तैनात होंगे केंद्रीय बल

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनावों के दौरान केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती के फैसले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग को बड़ा झटका दिया है। कोलकाता हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार और चुनाव आयोग की याचिका खारिज कर दी है। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनावों के नामांकन के दौरान बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। इसके बाद कोलकाता हाई कोर्ट ने आदेश दिया था कि चुनावों के दौरान सभी जिलों में केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात किए जाएं। जहां बीजेपी ने इस फैसले का स्वागत किया था वहीं ममता सरकार और पश्चिम बंगाल राज्य निर्वाचन

आयोग इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य चुनाव आयोग को जमकर फटकार लगाई। साथ ही ममता सरकार से पूछा कि आखिर आपको केंद्रीय अध 'सैनिक बलों की तैनाती से क्या दिक्कत है। अपनी टिप्पणी में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि हिंसा और चुनाव एक साथ नहीं कराए जा सकते। चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र होना चाहिए। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि चुनाव कराना हिंसा का लाइसेंस नहीं है, बंगाल में हिंसा का पुराना इतिहास रहा है।

बता दें कि पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव हर बार चर्चा में रहते हैं। इस बार भी नामांकन के दौरान बड़े पैमाने पर हिंसा हुई। भाजपा ने ममता सरकार पर विपक्ष के उम्मीदवारों को नामांकन से रोकने का आरोप लगाया था। बीजेपी ने कोलकाता से लेकर दिल्ली तक इस मुद्दे पर ममता सरकार को कटघरे में खड़ा किया।

बीजेपी ने आरोप लगाया था कि तृणमूल सरकार भी वामपंथियों के रास्ते पर चल रही है।

दून वैली मेल

संपादकीय

नफरत और घृणा की राजनीति

बीते कुछ दिनों से देश के कोने कोने से लव जिहाद, लैंड जिहाद और धर्मांतरण की मुद्दों से जुड़ी खबरों की एक बाढ़ सी आई हुई है। एक के बाद एक ही तरह की इन खबरों के पीछे का सच क्या है? इसे समझ पाना आम आदमी के लिए मुश्किल ही नहीं बल्कि असंभव है हां एक बात जरूर है देश के तमाम लोग महसूस कर रहे हैं कि इस तरह की खबरों से सामाजिक सौहार्द समाप्त हो रहा है और सामाजिक विभाजन की रेखा और गहरी होती जा रही है। सांप्रदायिकता की चिंगारियां भड़क रही है और नफरत का जहर फिजाओं में फैल रहा है बात चाहे उत्तराखंड के पुरोला की हो जहां लव जिहाद के एक मामले को लेकर उत्तरकाशी जनपद से मुसलमानों के पलायन की खबरें राष्ट्रीय स्तर पर चर्चाओं के केंद्र में हैं या फिर यूपी के जालौन की जहां अमजद नाम के एक मुस्लिम युवक द्वारा उमेश दुबे को कार से धक्का देकर उसे कुचल डाला गया। बताया जा रहा है कि यह घटना मोदी और योगी का गुणगान किए जाने के कारण हुई, जो अमजद को गवारा नहीं था। इस मामले में हालांकि पुलिस को अमजद ने झगड़े का कारण कुछ और बताया है। मध्य प्रदेश की राजधानी से आई एक खबर के अनुसार यहां एक हिंदू युवक विजय को कुछ मुस्लिम युवकों द्वारा पकड़कर उसकी गर्दन में पट्टा बांधकर उसके साथ मारपीट और धर्मांतरण के लिए दबाव डालने का प्रयास किया गया। उसे कुत्ते की तरह भौंकने को कहा गया और इतना पीटा गया कि उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। भोपाल से आई खबर पर सीएम शिवराज सिंह ने संज्ञान लिया तो इन सबकी गिरफ्तारी की गई है तथा उन पर रासुका के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। यह घटनाएं एक उदाहरण भर है। अभी बीते दिनों कुछ गौ तस्करों को जिंदा जला देने की घटना से लेकर सर तन से जुदा करने के नारे लगाने वालों ने देश में कई ऐसी वीभत्स घटनाओं को अंजाम दिया है जिन्हें देखकर किसी की भी रूह कांप उठे बीते कुछ समय से इस तरह की घटनाओं का एक सिलसिला अविराम जारी है। घटनाओं के बारे में यह भी चर्चा आम है कि यह देश भर में किये जाने वाला सुनियोजित षड्यंत्र है। इस षड्यंत्र का संचालन कहां से हो रहा है? इनका मास्टरमाइंड कौन है तथा इनके पीछे क्या उद्देश्य है इसकी विवेचना सभी अपने अपने ज्ञान और अनुभव के आधार पर कर रहे हैं। कोई इन घटनाओं के पीछे 2024 के चुनाव के लिए वोटों के ध्रुवीकरण की राजनीति बता रहा है तो कोई इसे विदेशी साजिश करार दे रहा है। भाजपा जो केंद्रीय सत्ता पर काबिज है और विपक्ष जो 2024 के चुनाव के लिए एकजुटता के प्रयासों में जुटा हुआ है एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोपों की बौछार कर रहे हैं। लेकिन सबसे अहम बात यह है कि इस घमासान में आम आदमी का सबसे ज्यादा नुकसान हो रहा है। देश के कई हिस्सों में इस समय सांप्रदायिक हिंसा की आग भड़क रही है। और जहां यह आग नहीं है वहां इस आग को भड़काने की पुरजोर कोशिशें की जा रही है। अभी 2024 का चुनाव बहुत दूर है अगर हालात इसी तेजी से बिगड़ते रहे तो आम चुनाव तक हालात अत्यंत गंभीर होने की संभावनाओं से इन्कार नहीं किया जा सकता है। नेताओं की जुबान पर नफरत वर्सेस प्रेम की राजनीति चुनावी चर्चाओं के केंद्र में आ चुकी है। खास बात है नफरती भाषण और घटनाओं को सोशल मीडिया पर कैसे परोसा जा रहा है और उसका समाज पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? यह सोचने की जरूरत आज कम से कम देश के नेताओं को तो कतई भी नहीं है। चुनावों पर इन घटनाक्रमों का क्या असर पड़ेगा? यह आने वाला समय ही बताएगा फिलहाल तो यह स्थिति आम आदमी को डरा रही है। नफरत और घृणा फैलाने वाली इन घटनाओं पर अगर तत्काल प्रभाव से रोक नहीं लगाई गई तो सांप्रदायिकता का यह जहर देश और समाज दोनों के लिए अति घातक सिद्ध होगा इसमें कोई संदेह नहीं है।

उद्यद्ब्रध्नस्य विष्टपं गृहमिन्द्रश्च गन्वहि।
मध्वः पीत्वा सचेवहि त्रिः सप्त सख्युः पदे।।
(ऋग्वेद ८-६९-७)

सिर में दो आंखें, दो कान, दो नासिका और एक जीभ है। इन सातों के तीन प्रकार के विचार हैं अर्थात सत, रज् और तम इस तरह ७x३=२१ प्रकार के विचार सिर में सदैव रहते हैं। सिर मुख्य स्थान है वहां पर जीवात्मा परमात्मा का आव्हान करता है कि वह उसका मित्र है वह उसकी श्रद्धा के सोम को ग्रहण करें।

The head has two eyes, two ears, two nostrils, and a tongue. These seven have three types of thoughts: Sat, Raj, and Tam. In this way, 7×3=21 types of thoughts always remain in the head. The head is the main place where the soul appeals to the Supreme Soul that he is his friend, to accept the Soma of his devotion.
(Rig Ved 8-69-7)

पांच सूत्रीय मांगों को लेकर किसान यूनियन का प्रतिनिधिमंडल मुख्य सचिव से मिला

संवाददाता

हरिद्वार। भारतीय किसान यूनियन वेलफेयर फाउडेशन का प्रतिनिधिमंडल अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्य सचिव डॉ एसएस संधू से मिला।

आज यहां उत्तराखंड राज्य के किसानों को राज्य सरकार की और से बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि, आंधी, तूफान से खेती के किसान व बागवानी के किसानों की आम, लीची, आडू, कुर्बानी इत्यादि फसलों के नुकसान की भरपाई को लेकर भारतीय किसान यूनियन वेलफेयर फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोमदत्त शर्मा, प्रवक्ता अरुण शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री संजय चोपड़ा, उत्तराखंड प्रभारी अनिल शर्मा ने संयुक्त रूप से प्रतिनिधि मंडल के रूप में उत्तराखंड शासन के मुख्य सचिव डॉ एस.एस. संधू से सचिवालय में मुलाकात कर उत्तराखंड राज्य के किसानों को अनुदान राशि दिए जाने की मांग के साथ राज्य की कृषि उत्पादन मंडी समितियों को हाईटेक कोल्ड स्टोरेज ग्रेडिंग सिस्टम, फल पकाऊ संयंत्र, बड़े भंडारण मंडियों में कूड़े से जैविक खाद जैसी सुविधाओं के साथ ग्रामीण पर्वतीय मैदानी क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण खेती किसानों की बीमा राशि को बढ़ाए जाने की मांग को लेकर विस्तारित चर्चा की। इस अवसर पर किसान यूनियन वेलफेयर फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोमदत्त शर्मा ने कहा इस वर्ष ओलावृष्टि, बेमौसम बारिश, आंधी- तूफान के कारण बागवानी उद्यान के किसानों का भारी नुकसान हुआ है जिसकी भरपाई राज्य सरकार की और से शीघ्र किया जाना न्याय संगत होगा।

उन्होंने कहा आम, लीची, आडू इत्यादि फसलें बाजारों में आने से पहले ही तेज हवाओं के कारण खत्म हो गई है ऐसे में सरकार को शीघ्र ही सर्वे कराकर बागवानी के किसानों को राहत पैकेज दिए जाने की घोषणा के साथ उत्तराखंड के किसानों के लिए प्रबल इच्छा शक्ति के साथ कारगर कदम उठाने की आवश्यकताएं हैं। इस अवसर पर प्रवक्ता अरुण शर्मा ने कहा हिमाचल राज्य से उत्तराखंड जौनसार बाबर के कई गांव ऐसे हैं जिनमें अभी तक सड़कों के निर्माण नहीं हुए हैं जिसके कारण पर्वतीय क्षेत्रों के किसानों की गोभी, मटर, मूली, टमाटर जैसी फसलों को देहरादून मंडी में लाने के लिए मुश्किलों का सामना करना पड़ता है इसीलिए राज्य सरकार की और से पर्वतीय क्षेत्रों में उप मंडियों का गठन किया जाना नितांत आवश्यक है।

मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधू से मुलाकात करते प्रतिनिधिमंडल में उत्तराखंड राज्य के प्रभारी डॉ. अनिल शर्मा, प्रदेश सचिव हैदर इरशाद, कपिल पवार, शाहबाद मंसूरी, राजेंद्र भंवर आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

किन्नर ही दे रहा किन्नरों को जान से मारने की धमकी, पुलिस को सौंपी तहरीर

हमारे संवाददाता

नैनीताल। हल्द्वानी में ऑपरेशन से किन्नर बना एक युवक असली किन्नरों के लिए मुसीबत का सबब बन गया। उसने न सिर्फ किन्नरों की अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर डाल दी, बल्कि अब वह उन्हें ब्लैकमेल कर जान से मारने की धमकी दे रहा है। पीड़ित पक्ष द्वारा मामले में पुलिस से शिकायत की गयी है।

पुलिस को दी गयी तहरीर के अनुसार वार्ड 25 आजाद नगर काठगोदाम निवासी कामिनी किन्नर का कहना है कि, वह यहां राहुल उर्फ काजल किन्नर, राधिका किन्नर, चांदनी किन्नर, रेखा किन्नर के साथ रहती है। जो हल्द्वानी, लालकुआं, चोरगलिया, हल्दूचौड़, मोटाहल्दू, गोरापड़ाव और तीनपानी क्षेत्र में बधाइयां देने व नेग मांगने का काम करते हैं। आरोप है कि काठगोदाम निवासी एक किन्नर आपराधिक किस्म का है। वह अपना शारीरिक परिवर्तन कराकर किन्नर बना है।

बताया कि आरोपी के पास उनकी आपत्तिजनक वीडियो हैं।

वीडियो के दम पर वह उन्हें ब्लैकमेल करता है बताया कि अब आरोपी जान से मारने की धमकी दे रहा है। आरोपी किन्नर बनकर अवैध वसूली करता है और इसका विरोध करने पर वह आत्महत्या की धमकी देता है। साथ ही सुसाइड नोट छोड़कर उन्हें फंसाने की बात भी करता है। सीओ हल्द्वानी भूपेंद्र सिंह धौनी ने बताया कि, तहरीर मिली है। जिसके आधार पर जांच की जा रही है।

रोहिंग्या घुसपैठ रोकने को लेकर भैरव वाहिनी का प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। राज्य में बांग्लादेशी रोहिंग्या घुसपैठ को रोकने को लेकर भैरव वाहिनी ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां भैरव वाहिनी के कार्यकर्ता केन्द्रीय अध्यक्ष संदीप खत्री के नेतृत्व में जिला मुख्यालय में एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से देखने में आ रहा है कि उत्तराखण्ड के प्रमुख तीर्थ स्थलों एवं पर्यटक स्थलों पर बांग्लादेशी एवं रोहिंग्या घुसपैठ कर वहां के असामाजिक तत्वों के साथ गठजोड कर अपने-अपने व्यवसाय संचालित कर रहे हैं। तथा स्थानीय लोगों के साथ टकराव कर उत्तराखण्ड के सामाजिक सद्भाव के लिए भी संकट उत्पन्न कर रहे हैं।

यहां यह उल्लेखनीय है कि स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस द्वारा वैरिफिकेशन न करने के कारण बाहरी बांग्लादेशी व रोहिंग्या लोग घुसपैठ कर बिना किसी दस्तावेज के असामाजिक लोगों के साथ मिलकर तथा स्थानीय निवासियों से मिलते जुलते नाम रखकर परंपराओं के विपरित व्यवसाय संचालित कर रहे हैं जिसके प्रभाव न सिर्फ उत्तराखण्ड के मूल स्थानीय लोगों के रोजगार पर पड रहा है अपितु धार्मिक कर्मकाण्ड व परंपराओं को भी धर्म परिवर्तन की साजिश कर प्रभावित कर रहे हैं। जिसके कारण स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश है। उन्होंने मांग की है कि उक्त लोगों के खिलाफ कार्यवाही की जाये।

ज्ञापन देने वालों में सतीश जोशी, ममता थापा, हेमन्त सकलानी, सुजाता रावत, पुष्पा थापा आदि लोग शामिल थे।

जानलेवा हमले में एक दर्जन लोगों पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। धारदार हथियारों से जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने एक दर्जन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चन्द्रबनी खालसा निवासी महेश सिंह ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका पुत्र नमन सिंह व उनके बड़े भाई का पुत्र अभिनव बिष्ट पुत्र शंकर सिंह निवासी चन्द्रबनी खालसा फिटनेस संतरा भुत्तोवाला चोक चन्द्रबनी देहरादून में व्यायाम हेतु जाते रहते हैं

14 जून 23 को जब दोनों जिम से आ रहे थे तो एक अज्ञात से कहा सुनी गयी जिसके उपरांत 15 जून 23 को नमन के पास सचिन उर्फ नत्था का फोन उस अज्ञात व्यक्ति के कहने पर आया फोन से नमन को चन्द्रबनी चौक पर बुलाया पर जो कहा सुनी हुई थी उसका समझौता करना है जिस पर नमन उसके बड़े भाई के बेटे जो की उनके साथ में था अपने चन्द्रवनी चोक पर अशोक लाला के सामने ग्राउंड में ले गया जहाँ पर ठाकुर शक्ति सिंह ट्रांसपोर्ट नगर, सचिन उर्फ नत्था निवासी ओगल भट्टा, तुषार पुत्र प्रमोद, अंकित, लल्ला निवासी ओगल भट्टा विक्रांत निवासी ट्रान्सपोर्ट नगर अभिषेक वर्मा निवासी महेश्वरी बिहार, कपिल, अमन, आयुष थापा निवासी चोयला ठाकुर शक्ति सिंह का भाई एवं अन्य 20-25 अज्ञात हथियार बंद लोगों ने जिन लोगों के पास खुखरी, तलवार, हाकी अन्य हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया जैसे ही सचिन उर्फ नत्था और तुषार ने नमन सिंह के सर पर खुखरी से जानलेवा हमला किया नमन सिंह वही बेहोश होकर गिर गया और उसके सर से काफी खून बहने लगा बीच बचाव में आया अभिनव बिष्ट को भी कंधे पर चोट आई नमन के बचाव में अनुभव पुत्र मनमोहन सिंह रावत, गुरप्रीत पुत्र राकेश सिंह को भी चोट आयी और ये लोग हथियारबंद लोग नमन सिंह मृत समझकर छोड़कर जाते हुए नमन के घायल दोस्तों को धमकी देकर गए की उनकी सत्ताधारी पार्टी में ऊपर तक जान पहचान है उनका कोई कुछ नहीं कर सकता और जो भी बीच में आएगा उसका भी यही हाल करेंगे उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता उसके बाद अभिनव ने नमन के परिजनों को फोन किया घायल नमन को उठाकर अभिनव और उसके साथी दून हस्पिटल ले गये वहां उसके सर पर टांके लगे सीटी स्कैन कराया।

मकान किराये पर लेने के नाम पर ठगे एक लाख रूपये

संवाददाता

देहरादून। स्वंय को आर्मी का जवान बताकर मकान किराये पर लेने के नाम पर एक लाख रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जीएमएस रोड निवासी शशि कुमार दत्त ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपने मकान का किराये हेतु मैजिक पर विज्ञापन दिया था उसके बाद वहां से दीपक पंवार नाम के व्यक्ति का फोन आया तथा अपने को आर्मी का जवान बता रहा था उसने अपनी आर्मी की आई.डी. भी उसके मोबाईल पर भेजी है तथा उसने बताया कि उसका ट्राँसफर देहरादून आर्मी मे हो गया है। उसकी फैमली के लिए आपका मकान उचित है। वह अपना पेटीएम खोलिये आफिस के माध्यम से पैसे डालता हूँ। उसके बाद उसके खाते से तीन बार में एक लाख रूपये निकल गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मोबाइल चोर गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने रैन बसेरा से मोबाइल चोरी करने वाले को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 जून 2023 को मनोज कुमार पुत्र नारायण राम निवासी रेन बसेरा बस अड्डा ऋषिकेश के द्वारा कोतवाली मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि रेन बसेरे के बाथरूम में नहाते समय अमन भंडारी नाम के व्यक्ति द्वारा उनका मोबाइल फोन चोरी कर लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी अमन भंडारी को बस अड्डा ऋषिकेश से पुलिस हिरासत में लेकर उसके कब्जे से चोरी का मोबाइल बरामद कर लिया है। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

कांवड़ मेला-2023 की तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक आयोजित

कार्यालय संवाददता

हरिद्वार। मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन की अध्यक्षता में आगामी 04 जुलाई से प्रारम्भ होने वाले कांवड़ मेला-2023 की तैयारियों के सम्बन्ध में एक बैठक आयोजित हुई। बैठक में अपर जिलाधिकारी(प्रशासन) श्री पी0एल0 शाह ने कांवड़ मेले के सम्बन्ध में अब तक जारी किये दिशा-निर्देशों के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी।

मुख्य विकास अधिकारी ने एक-एक करके सभी विभागों के अधिकारियों से अब तक कांवड़ मेले से सम्बन्धित की गयी तैयारियों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी ली। जल संस्थान के अधिकारियों ने बताया कि टेण्डर आदि की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गयी है तथा पानी की पाइप लाइन बिछाने का कार्य जल्दी ही शुरू कर दिया जायेगा तथा कांवड़ मेले के दौरान पानी की आपूर्ति में कहीं पर भी कोई दिक्कत नहीं आयेगी। जल संस्थान सीवर, नगर निगम के अधिकारियों ने कुल कितने शौचालय होंगे, उनमें से कितने मोबाइल शौचालय होंगे आदि के सम्बन्ध में विस्तार जानकारी दी। इस पर मुख्य विकास अधिकारियों को निर्देश दिये कि शौचालय आदि की सफाई व्यवस्था तथा उसमें पानी आदि की व्यवस्था चाक-चौबन्द होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि बाद में अगर शिकायता आती है तो कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को ये भी निर्देश दिये कि जहां पर भी मेडिकल कैम्प लगाये जायेंगे, उसके आसपास पानी, शौचालय आदि की पूरी व्यवस्था करना सुनिश्चित करें।

मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को ये भी निर्देश दिये कि कांवड़ मेले के दौरान आवश्यक जो भी सेवायें हैं, उनके संचालन के लिये अलग से ट्रैफिक प्लान तैयार करना सुनिश्चित करें ताकि आवश्यक सेवायें बाधित न हों।

लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सड़कों के अधिकतर पैच वर्क पूर्ण कर लिये गये हैं। उन्होंने बताया कि हिल बाई पास पर कुछ झाड़ी कटान का काम एनओसी न मिलने के कारण नहीं हो पाया है, जिसे एनओसी मिलते ही दो दिन दिन के भीतर पूर्ण कर लिया जायेगा।

मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक में निर्देश दिये कि विद्युत, टेलीकोम लोक निर्माण आदि कार्यदायी संस्थाओं के जितने भी अण्डर ग्राउण्ड कार्य चल रहे हैं, उन्हें 25 जून तक पूर्ण करना सुनिश्चित करें। इसके पश्चात किसी भी कार्यदायी संस्था को खुदाई आदि की इजाजत नहीं दी जायेगी। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कहां-कहां पर प्रकाश व्यवस्था की जानी है, को चिह्नित कर लिया गया है। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि चण्डीघाट चौक, नमामि गंगे घाट तथा रसियाबड़ में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था करना सुनिश्चित करें।

मुख्य चिकित्साधिकारी ने बैठक में कांवड़ मेले के दौरान स्वास्थ्य विभाग सम्बन्धी की जाने वाली तैयारियों के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में पार्किंग की व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, गोताखोरों की व्यवस्था, सिंचाई विभाग द्वारा घाटों की काई आदि हटाना, चेन व रेलिंग की मरम्मत आदि के सम्बन्ध में विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। मुख्य विकास अधिकारी ने कांवड़ मेले की तैयारियों के सम्बन्ध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी(वित्त एवं राजस्व) श्री बीर सिंह बुदियाल, एसडीएम श्री पूरण सिंह राणा, सिटी मजिस्ट्रेट सुश्री नूपुर वर्मा, एस0पी0 सिटी श्री स्वतंत्र कुमार सिंह, एस0पी0 ट्रैफिक सुश्री रेखा यादव, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 मनीष दत्त, अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण श्री सुरेश तोमर, ईई यूपीसीएल श्री एस एस उस्मान, अधिशासी अभियन्ता जल संस्थान श्री मदन सेन, एआरटीओ सुश्री रश्मि पन्त, जीएमडीआईसी सुश्री पल्लवी गुप्ता, पर्यटन अधिकारी श्री सुरेश सिंह यादव, सचिव रेडक्रास डॉ0 नरेश चौधरी मुख्य शिक्षा अधिकारी श्री के0के0 गुप्ता, ईओ सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

मकान का ताला तोड हजारों की नगदी व जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। मकान का ताला तोड हजारों की नगदी व सामान चोरी होने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जोहडी गांव निवासी चिराग दानू ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी सिनौला गाव में फास्ट फुड की दुकान है तथा ग्राम अनारवाला नयांगाव आचार बस्ती के नाले के पास उसका घर है। 16 जून 2023 को वह व उसकी पत्नी सुबह 11 बजे के करीब दुकान पर चले गये थे घर पर कोई नही था तथा जब शाम को साढे चार बजे के आस पास वह व उसकी पत्नी सामान छोडने घर पर आये तथा घर में देखा तो किसी व्यक्ति ने घर के अन्दर से सोने की एक कान की बाली व घर में लोहे की अलमारी के अन्दर रखे लकडी के गल्ले से अंदाजे से 20-25 हजार रूपये थे चोरी कर लिये गये है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नफरत के बाजार को मोहब्बत की दुकान में बदलेंगे: लक्ष्मी

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस की पछवादून जिलाध्यक्ष लक्ष्मी कपरूवान अग्रवाल ने कहा कि राहुल गांधी के साथ मिलकर देश में नफरत के बाजार को मोहब्बत की दुकान में बदलेंगे।

आज यहां पछवादून जिलाध्यक्ष, कांग्रेस लक्ष्मी कपरूवान अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी के जन्मदिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सहसपुर में जरुरतमंदो लोगो को फल एवं भोजन वितरण किया गया। लक्ष्मी कपरूवान अग्रवाल ने

कहा कि राहुल गांधी सत्य, निष्ठा राजनीति के पुरोधा है, गरीब, किसान,मजदूर ,बेरोजगार, कमजोर-पीड़ितों-पिछड़ों वंचितों की आवाज को प्रमुखता से उठाते है, हाल ही में उनके द्वारा भारत जोड़ो यात्रा जो कन्याकुमारी से जम्मू-कश्मीर तक एक जन आन्दोलन पैदल यात्रा करके निकाला गया जिसका उद्देश्य भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की कथित विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ देश को एकजुट करना रहा। यह यात्रा लगभग 136 दिनों में 4,080 किलोमीटर की यात्रा थी। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में देश कि जनता ने ठान लिया है कि राहुल गांधी को देश का प्रधानमन्त्री बनाकर भाजपा कि विभाजनकारी राजनीति को जड़ से उखाड़ फैकना है,इस मौके पर हरनाम सिंह, अमित पंवार, मोइन खान, अशोक नेगी, कालू राम, हरीश बिष्ट, गुड्डी, राजू पंवार , राजेश पीटर, शकील, नीतीश मोर्या इकबाल अहमद, वीरू नोटियाल, शबान, रहमान, तनवीर शेख, राजुदीन आदि लोग मौजूद थे।

पाकिस्तान में खतरनाक खेल

पाकिस्तान की सेना संभवत: यह भूल गई है कि जब वहां किसी लोकप्रिय नेता को राजनीति से हटाने की जब कोशिशें हुईं, तो उसके कैसे नतीजे सामने आए। ऐसे कदमों से असंतोष बढ़ा और स्थायी समस्याएं पैदा हुईं। एक बार तो देश का बंटवारा ही हो गया।

अब यह साफ है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को सियासी रूप से नष्ट करने में वहां का 'ऐस्टैबलिशमेंट' (सेना+खुफिया नेतृत्व) फिलहाल सफल हो गया है। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) में अब गिने-चुने नेता ही बचे हैं। बाकी नेता ऐस्टैबलिशमेंट का दबाव नहीं झेल पाए, जैसा करना पाकिस्तान में कभी आसान नहीं रहा है। जुल्फिकार अली भुट्टो ने 1970 के दशक में ऐसा करने की कोशिश की थी, तो उसकी कीमत उन्हें अपनी जान देकर चुकानी पड़ी थी। अब इमरान खान पर भी एक वकील की हत्या के मामले में मुकदमा दर्ज कराया जा चुका है। कई हलकों में इसे भुट्टो कांड की पुनरावृत्ति के रूप में देखा गया है। बहरहाल, इमरान खान के मामले में पाकिस्तान की सेना उस हद तक जाएगी या नहीं, यह अभी साफ नहीं है। यह स्पष्ट है कि पीटीआई की सियासी हत्या का काम काफी आगे बढ़ चुका है। पिछले दिनों पार्टी से निकले नेता जहांगीर खान तरीन ने अपनी नई पार्टी बना लीहै। इसका नाम इस्तेहकाम-ए-पाकिस्तान (आईपीपी) रखा गया है।

आम राय है कि में यह पार्टी ऐस्टैबलिशमेंट की शह पर और उसके निर्देशन में बनाई गई है। इसका मकसद इमरान खान को राजनीति से अलग-थलग करना और पाकिस्तान में ऐस्टैबलिशमेंट की मन-माफिक विपक्षी पार्टी का गठन है। आईपीपी में कई ऐसे नेता शामिल हुए हैं, जिन्होंने पिछले एक महीने के दौरान पीटीआई छोड़ी है। यह खेल इतने खुले रूप में खेला जा रहा है कि वहां के कुछ साहसी टीकाकार इसे सार्वजनिक रूप से कह रहे हैं। उन्होंने यह बताया है कि इमरान खान को यह संदेश दिया गया कि वे या तो खुद को राजनीति से अलग कर लें या अपनी आंखों के सामने अपनी पार्टी नष्ट होती देखें। ऐसा करते हुए ऐस्टैबलिशमेंट यह भूल गया कि पाकिस्तान में लोकप्रिय नेता को राजनीति से हटाने की जब कोशिशें हुईं, तो उसके कैसे नतीजे सामने आए। ऐसे कदमों से असंतोष बढ़ा और स्थायी समस्याएं पैदा हुईं। शेख मुजीबुर रहमान के साथ पहले ऐसी कोशिश हुई थी और फिर भुट्टो के साथ। अब इमरान खान अगले ऐसे नेता बने हैं। (आरएनएस)

एक-एक सीट बचाने का जुगाड़

भारतीय जनता पार्टी की चुनावी रणनीति कई स्तर पर बन रही है। एक रणनीति उन राज्यों की है जहां भाजपा ने सारी सीटें जीती हैं या जिन राज्यों की ज्यादातर सीटें उसने पिछले चुनाव में जीती थी। इसके अलावा एक रणनीति उन राज्यों के लिए है, जहां भाजपा ने कम सीटें जीती हैं या कोई सीट नहीं जीती है। जिन राज्यों में भाजपा ने एक, दो या तीन सीट जीती है वहां उन सीटों को बचाने का जुगाड़ बनाया जा रहा है। इसका कारण यह है कि भाजपा एक भी सीट गंवाना अफोर्ड नहीं कर सकती है क्योंकि उसकी भरपाई का उपाय उसको नहीं दिख रहा है। कहीं से भी एक सीट कम होती है तो उसके बदले नई जगह सीट जीतने की संभावना नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि अपने मजबूत असर वाले राज्यों में भाजपा ने सारी सीटें पहले से जीती हैं या ज्यादातर सीटें जीती हैं। इसलिए वहां सीट बढ़ नहीं सकती है। अगर वहां भी सीटें कम हुईं और एक-एक सीट वाले राज्यों में भी नुकसान हुआ तो बड़ा नुकसान हो जाएगा।

तभी भाजपा ने पंजाब की अपनी दो लोकसभा सीटें बचाने के लिए अकाली दल से तालमेल का फैसला किया है। उसे हर हाल में पंजाब की दो और चंडीगढ़ की एक सीट बचानी है। इसी तरह तेलंगाना की चार सीटें भाजपा को हर हाल में बचानी है। इसके लिए टीडीपी से तालमेल की जरूरत हो या जगन मोहन रेड्डी की बहन वाईएस शर्मिला की नई बनी पार्टी से तालमेल करना पड़े, भाजपा वह करेगी। आंध्र प्रदेश में भाजपा को पिछली बार एक भी सीट नहीं मिल पाई थी, जबकि 2014 में टीडीपी के साथ रहने पर उसने दो सीटें जीती थीं। 2024 में भाजपा कम से कम दो सीट जीतने के उपाय कर रही है। इसलिए टीडीपी को साथ लिया जा रहा है। ऐसे ही तमिलनाडु में भाजपा का खाता नहीं खुला था। इस बार वह एक या दो सीट जीतने की योजना पर काम कर रही है।

केरल में पार्टी का खाता खुलने की संभावना कम है पर ईसाई वोट साधने की योजना पर काम हो रहा है ताकि एक भी सीट जीती जा सके। इसी तरह पूर्वोत्तर में त्रिपुरा की दोनों सीटें बचाने के लिए पार्टी हर संभव प्रयास करेगी। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

फलों का सेवन करते समय भूल से भी न करें ये गलतियां, पहुंच सकता है नुकसान

फल संतुलित आहार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। ये कैलोरी में कम होने के साथ-साथ कई पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। हालांकि, फल शरीर के लिए तभी फायदेमंद होते हैं, जब उन्हें सही तरीके से खाया जाए। अगर आप जल्दबाजी में फल खाते हैं तो इससे न सिर्फ उन्हें पचाने में दिक्कत होती है, बल्कि उनसे भरपूर पोषण भी नहीं मिल पाता है। इसी तरह फलों का सेवन करते समय आपको इन 5 गलतियों से भी बचना चाहिए।

रात के समय फल खाना

अगर आप उन लोगों में से एक हैं, जो रात में भूख लगने पर फल खाना सही समझते हैं तो आपको बता दें कि ऐसा करना गलत है। सूर्यास्त से पहले फलों का सेवन करना सबसे अच्छा होता है क्योंकि रात में पोषक तत्वों को ग्रहण करने और अवशोषित करने की हमारी क्षमता बहुत कम हो जाती है। सोने से तुरंत पहले फलों का सेवन नींद को भी रोक सकता है क्योंकि यह ऊर्जा के स्तर को बढ़ा देते हैं।

तुरंत पानी पी लेना

फल, खासकर तरबूज, संतरा और स्ट्रॉबेरी जैसे पानी से भरपूर फल, खाने के तुरंत बाद पानी पीने से पाचन क्रिया पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। दरअसल, बहुत सारे पानी वाले फल पेट की अम्लता को कम करके पीएच संतुलन को प्रभावित कर सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इससे हैजा या दस्त सहित घातक संक्रमण होने की संभावना बढ़ सकती है।

फलों का गलत कॉम्बिनेशन

मीठे और खट्टे फलों को एक साथ खाने से बचना चाहिए। हमेशा मीठे फलों के साथ मीठे फल और खट्टे फलों के साथ खट्टे फल खाएं क्योंकि प्रत्येक प्रकार के फल आपके पेट में एक अलग पाचक रस का उत्पादन करते हैं। इसी तरह खरबूजे को किसी भी अन्य फल के साथ नहीं खाना चाहिए क्योंकि इसे ढंग से पचाना पाचन क्रिया के लिए मुश्किल हो जाता है। इस लेख के जरिए तरबूज और खरबूजे के बीच का अंतर जानें।

खाने के तुरंत बाद फल खाना

खाने के बाद मीठे फल खाना आपको बहुत लुभा सकता है, लेकिन ऐसा करने से पाचन पर बुरा असर पड़ता है। फलों की मिठास खाने के प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट जैसे तत्वों के साथ मिलकर पाचन धीमा कर देती है, जिससे अतिरिक्त तनाव के कारण पेट में दर्द हो सकता है। खाना खाने के 30 से 60 मिनट के बाद फलों का सेवन करना सही माना जाता है।

दूध के साथ फल खाना

अगर फ्रूट मिल्कशेक आपकी पसंदीदा ड्रिंक्स में से एक है तो इस आदत को बदलने का समय आ गया है। फलों और दूध में अलग-अलग पोषक तत्व होते हैं, इसलिए इन्हें पचने के लिए अलग-अलग समय की आवश्यकता होती है। दूध की तुलना में फल अधिक तेजी से पचते हैं, इसलिए दोनों को मिलाने से फलों की मिठास पेट में जाकर गैस, सूजन और अपच जैसी समस्याओं का कारण बन सकती है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -053

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्‍भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

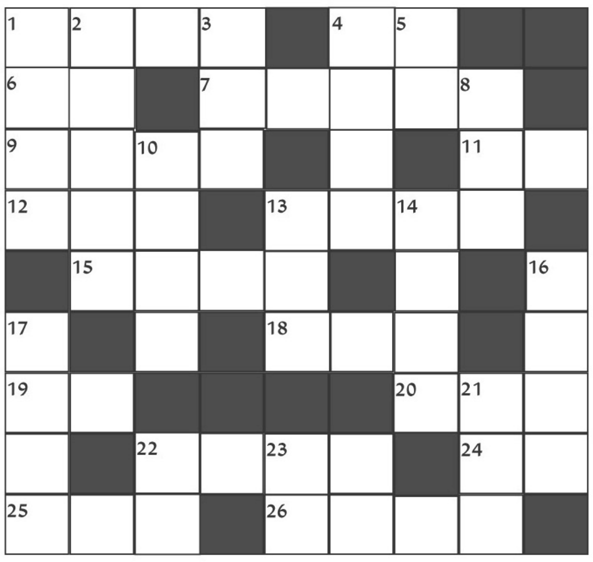

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 52 का हल

दि	क्क	त		आ	सा	न		आ
ल		मी		खि		सी	ख	ना
	म	ज	बू	र		ह		जा
स	र्द			का		त	रा	ना
र				र	वि		ह	
प	ह	ना	ना		ना	रा	ज	
ट			क	शि	श		नी	ला
	र			का		रा		य
खा	ति	र	दा	री		त	क्ष	क

कार्तिक की आगामी फिल्म की शूटिंग शुरू, कबीर खान ने संभाली निर्देशन की कमान

कार्तिक आर्यन इन दिनों फिल्म सत्यप्रेम की कथा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इसमें उनकी जोड़ी कियारा आडवाणी के साथ बनी है। सत्यप्रेम की कथा 29 जून को रिलीज होगी। इस बीच कार्तिक की अन्य आगामी फिल्म से जुड़ी एक अहम जानकारी सामने आ रही है। उन्होंने निर्देशक कबीर खान के साथ अपनी अगली फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। इस एक्शन ड्रामा की शूटिंग बुधवार को फिल्म सिटी, गोरेगांव के जोकर मैदान में शुरू हुई।

रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माताओं ने 10 दिनों का शेड्यूल तैयार किया है, जिसके तहत फिल्म के एक्शन सेट-पीस को बंद किया जाएगा। शूटिंग की शुरुआत कार्तिक के हाथ से हाथ मिलाने वाले सीक्वेंस के साथ हुई है। इस फिल्म में जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा। हालांकि, अभी आधिकारिक घोषणा होना बाकी है। यह कार्तिक और कबीर की साथ में पहली फिल्म है। फिल्म कथित तौर पर एक अज्ञात नायक के बारे में एक आकर्षक सच्ची कहानी है।

जी करदा के लिये उत्साहित है तमन्ना भाटिया

बॉलीवुड अभिनेत्री तमन्ना भाटिया अपनी आने वाली वेबसीरीज जी करदा के लिये उत्साहित है। दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित जी करदा अरुणिमा शर्मा द्वारा लिखित और निर्देशित है और हुसैन दलाल और अब्बास दलाल द्वारा सह-लिखित है। आठ एपिसोड के इस शो में तमन्ना भाटिया के अलावा आशिम गुलाटी, सुहैल नय्यर, अन्या सिंह, हुसैन दलाल, सायन बनर्जी, संवेदना सुवालका, सिमोन सिंह और मल्हार ठाकर की भी अहम भूमिका हैतमन्ना भाटिया जी करदा के लिये बेहद उत्साहित है।

तमन्ना भाटिया ने कहा, 'जी करदा' में काम करना कमाल का एक्सपीरियंस रहा क्योंकि मैंने लाइफ में ऐसा कोई किरादर प्ले नहीं किया था। इससे पहले मैंने कॉमेडी की है या बहुत डार्क कैरेक्टर किए हैंमैं 'जी करदा' के लिए सच में बहुत एक्साइटेड हूं। इससे पहले मैंने ऑन सॉन्ग स्ट्रक्चर्स में काम किया है। आज तक मुझे ऐसा रोल निभाने का मौका नहीं मिला जो मुझसे इतना क्लोज हो।

जी करदा वेब सीरीज मेरे लिए काफी खास है क्योंकि इससे पहले ज्यादातर मैंने लार्जर दैन लाइफ कैरेक्टर किए हैं या सिनेमैटिक पोट्रेट ऑफ थिंग्स किए हैं, लेकिन यह मेरा बहुत रियलिस्टिक प्रेजेंटेशन रहेगा। मैं बहुत खुश हूं कि मुझे यह रोल मिला और इस निभाने की पूरी जर्नी मैंने काफी एंजॉय की है। जी करदा का प्रीमियर 15 जून को प्राइम वीडियो पर होगा।

ब्लैक शॉर्ट ड्रेस में नजर आईं अंकिता लोखंडे

एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे शादी के बाद से और भी ज्यादा ग्लैमरस होती जा रही हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर कहर बरपाए रहती हैं। वहीं, फैंस उनकी एक झलक के लिए बेताब रहते हैं। ब्लैक कलर की शॉर्ट आउटफिट में एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे बेहद ही स्टाइलिस और बोल्ड नजर आ रही हैं। अंकिता लोखंडे की तस्वीरें सोशल मीडिया का पारा हाई कर रही हैं। वहीं, फैंस उनकी तस्वीरों पर बेशुमार प्यार लुटा रहे हैं। अंकिता लोखंडे ने ग्लैमरस और बोल्ड फोटोज शेयर करके फैंस के दिलों की धड़कने बढ़ा दी हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें काफी वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे अपने निजी और प्रोफेशनल पलों को फैंस के साथ साझा करना बिल्कुल नहीं भूलती हैं। साथ ही उनकी ये तस्वीरें उनके फैंस के दिलों की धड़कनें बढाए हैं। अंकिता आज एक जाना माना नाम हैं। लेकिन, इन्हें असली पहचान सीरियल पवित्र रिश्ता से मिली। इस सीरियल के कारण ये घर-घर में पसंद की जाने लगीं। इसके साथ ही अंकिता लोखंडे ने बॉलीवुड की फिल्म बागी 3 और मणिकर्णिका जैसी फिल्मों में भी काम किया है। अंकिता लोखंडे इंस्टाग्राम पर भी कम फेमस नहीं हैं। उन्हें इंस्टा पर 4 मिलियन से ज्यादा फैंस फॉलो करते हैं। अंकिता लोखंडे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर धमाल मचाए रहती हैं।

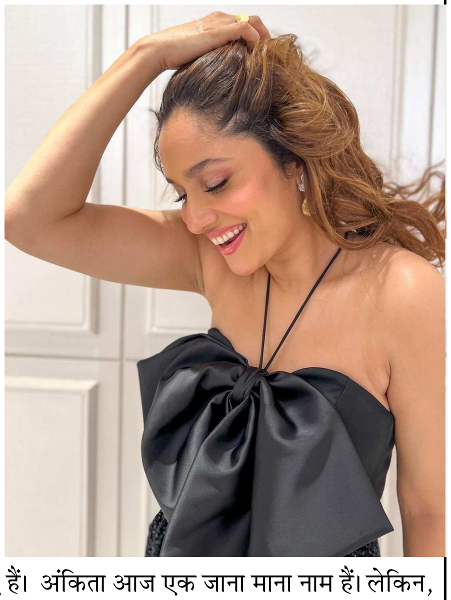

नेटफ्लिक्स पर प्रदर्शित होगी भूमि और नवाजुद्दीन की अफवाह

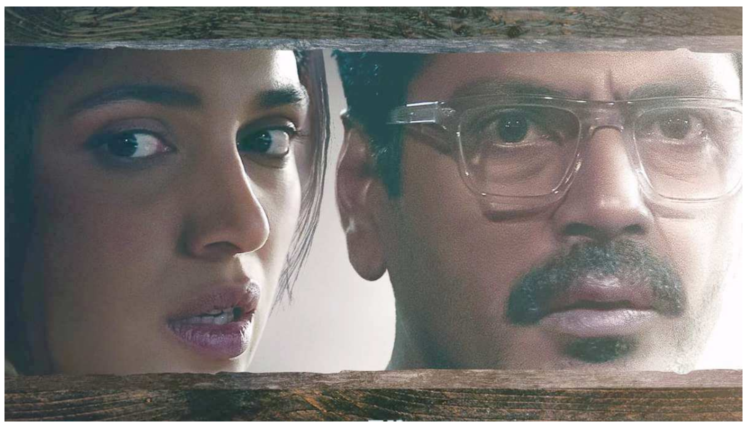

नवाजुद्दीन सिद्दीकी और भूमि पेडनेकर स्टारर फिल्म अफवाह ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के लिए तैयार है। सुधीर मिश्रा द्वारा निर्देशित, राजनीतिक थ्रिलर का उद्देश्य अफवाह फैलाने वालों को कम करना और नकली समाचारों के प्रसार से निपटना है। अफवाह सिनेमाई रूप से समृद्ध है और इसमें एक मनोरंजक कहानी भी शामिल है। फिल्म में राजनीतिक शक्ति, मीडिया का काला पक्ष, भ्रष्टाचार और लोभ जैसे तत्वों को दर्शाया गया है। इन विषयों को निर्देशक सुधीर मिश्रा ने उपदेशात्मक न होते हुए बहुत सूक्ष्म तरीके से आत्मसात किया है। फिल्म में अप्रत्याशित मोड़ और मोड़ निश्चित रूप से दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखेंगे और यह जल्द ही नेटफ्लिक्स पर शुरू होने वाली है।

फिल्म में, दर्शकों को शमीर टंडन द्वारा रचित और मामे खान और सुनेत्रा बनर्जी द्वारा गाए गए एक अत्यंत आत्मा-उत्तेजक गीत आज ये बसंत से भी अवगत कराया गया है। यह गाना ट्रेलर के सार को पकड़कर फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाता है। इसमें एक अफवाह का नतीजा बताया गया है जिसमें भूमि पेडनेकर और नवाजुद्दीन सिद्दीकी पूरे शहर के निशाने पर आ जाते हैं। अफरा-तफरी के बीच जीवन-मौत से जूझ रहे हैं। संगीत निर्देशक शमीर टंडन ने कहा, सुधीर ने मुझे इस गीत के लिए इसलिए चुना क्योंकि उन्हें बहुत अधिक गंभीरता और गहराई वाले गीतों की आवश्यकता थी और वे जानते थे कि मैं इसे अच्छी तरह से कर पाऊंगा। मैंने मामे खान से इसे कुछ स्वाद देने के लिए अपनी आवाज देने के लिए कहा। मैंने उनसे पूरी फिल्म में आलाप भी करवाए, इसलिए फिल्म की पृष्ठभूमि विशेष रूप से मंत्रमुग्ध करने वाली है। मैं इस अविश्वसनीय और प्रेरक फिल्म की पटकथा सुनने और शीर्षक ट्रैक- आज ये बसंत की रचना करने के लिए अत्यधिक उत्साहित था। इस प्रकार की फिल्में पारंपरिक प्रेम गीतों या पार्टी ट्रैक्स से प्रस्थान की मांग करती हैं। संगीत को बुद्धिमत्ता के साथ पेश किया जाना था, फिल्म की कहानी को पूरक और बढ़ाने के लिए सावधानी से तैयार किया गया था। राजस्थानी गायक होने के नाते, मामे खान आमतौर पर उच्च स्वर में गाती हैं। अफ़वाह के लिए, समीर ने खान को आज ये बसंत के लिए कम सप्तक में गाने के लिए प्रोत्साहित किया। उनके गाने की प्रस्तुति ने निर्देशक सुधीर मिश्रा से प्रशंसा अर्जित की, जिन्होंने कहा कि वह इसे पार्क से बाहर हिट करते हैं! टीज़र में मामे खान के गायन को शामिल करने के लिए मिश्रा की ओर से यह एक शानदार कदम था। यह दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ने के लिए संगीत की क्षमता को प्रदर्शित करता है। निर्देशक सुधीर मिश्रा ने कहा, लोक गायक मामे खान और नवोदित अभिनेत्री सुनेत्रा बनर्जी के गायन ने वास्तव में शमीर टंडन के निर्देशन में फिल्म के बैकग्राउंड स्कोर में एक भावपूर्ण सार जोड़ा है। मैं इस विचारोत्तेजक फिल्म को वैश्विक दर्शकों के सामने लाने के लिए रोमांचित हूं। मुझे उम्मीद है कि दुनिया भर के दर्शक मामे खान और सुनेत्रा बनर्जी के शांत गायन के साथ-साथ भावपूर्ण पृष्ठभूमि से जुड़ेंगे।

जरा हटके जरा बचके ने पार किया 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा

2 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई विक्की कौशल और सारा अली खान की फिल्म जरा हटके जरा बचके को बेशक समीक्षकों द्वारा कुछ खास प्रतिक्रियाएं नहीं मिली हैं, लेकिन इसके बावजूद फिल्म टिकट खिड़की पर शानदार कारोबार कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार, जरा हटके जरा बचके ने रिलीज के 10वें दिन 6.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया है और अब इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 53.28 करोड़ रुपये हो गया है। जरा हटके जरा बचके का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ने किया है। इसमें विक्की और सारा के अलावा शारिब हाशमी, सुष्मिता बनर्जी, नीरज सूद और इनामुलहक भी अहम भूमिकाओं में हैं। जरा हटके जरा बचके लगभग 40 करोड़ रुपये की लागत में बनी है।

विक्की कौशल और सारा अली खान की जरा हटके जरा बचके ने कमाई के मामले में कई बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। 40 करोड़ रुपये में बनी ये विक्की कौशल और सारा अली खान की फिल्म ने कुछ ही दिनों में बजट से ज्यादा कमाई कर ली है। विक्की कौशल और सारा अली खान की जरा हटके जरा बचके की कमाई के इन आंकड़ों को देखने के बाद फैंस और मेकर्स काफी खुश दिखाई दिए। विक्की कौशल और सारा अली खान की जरा हटके जरा बचके की फिल्म में 10वें फिर उछाल देखने को मिला है। विक्की कौशल और सारा अली खान की जरा हटके जरा बचके की कमाई में 25 प्रतिशत उछाल देखने को मिल है।

पाकिस्तान के दामाद तारा सिंह ने फिर सरहद की पार

सनी देओल और अमीषा पटेल अभिनीत आगामी फिल्म गदर 2 का टीजर सोमवार को जारी किया गया। टीजर में सनी अपने तारा सिंह के किरदार में एक्शन करते नजर आ रहे हैं। टीजर 1971 की घटनाओं के साथ शुरू होता है। शुरूआत में एक महिला की आवाज आती है कि दामाद है वो पाकिस्तान का, उसे नारियल दो, टीका लगाओ, वर्ना इस बार दहेज में लाहौर ले जाएगा।

गदर 2 का टीजर इशारा करता है कि कहानी वहीं से शुरू होती है जहां से गदर- एक प्रेम कथा खत्म हुई थी।

सनी देओल ने कहा, गदर 2 अपने पहले पार्ट की कहानी को आगे बढ़ा रही है। भारत की सबसे पसंदीदा पारिवारिक फिल्मों में से एक को वापस लाने में सक्षम होना एक आशीर्वाद है। फिल्म हमेशा प्यार, साहस और देशभक्ति की एक प्रेरक कहानी होगी। आशा है कि दुनिया तारा और सकीना का फिर से खुले दिल से स्वागत करेगी। फिल्म में भारत के विभाजन और लोगों के जीवन पर इसके प्रभाव का चित्रण दर्शकों के साथ जुड़ा हुआ है। तारा और सकीना की देशभक्ति, प्रेम और बलिदान की कहानी ने2001 मेंकईरिकॉर्डतोड़दिए और अब निर्माता फिल्म के दूसरे पार्ट के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं।

अमीषा पटेल ने कहा, गदर- एक प्रेम कथा मेरे जन्मदिन पर फिर से रिलीज हुई और मेरे लिए सबसे बड़ा तोहफा है। हमने महसूस किया कि फिल्म दर्शकों के दिलों में कितनी मजबूती से बस गई है। टीजर गदर 2 से तारा और सक्सेना की कहानी में एक नया अध्याय शुरू होता है और हमें पूरी उम्मीद है कि हम एक बार फिर अपने फैंस की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे।

निर्देशक-निर्माता अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित और जी स्टूडियो द्वारा निर्मित, गदर 2 11 अगस्त, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

कांग्रेस की गारंटियां हो रही लागू! क्या जवाब है?

अजीत द्विवेदी

कर्नाटक में सरकार बनते ही पहली कैबिनेट बैठक में कांग्रेस की सरकार ने चुनाव में किए गए पांच वादों को पूरा करने का फैसला किया। दूसरी कैबिनेट में इस पर अमल की तारीखें तय हुईं। कांग्रेस ने चुनाव के समय जो पांच गारंटियां दी थीं उनको कानून बनाने का ऐलान कर दिया गया है। कर्नाटक में दी गई गारंटियों की तर्ज पर कांग्रेस ने अभी से हरियाणा और मध्य प्रदेश में मुफ्त की वस्तुएं और सेवाएं देने की घोषणा शुरू कर दी है। राजस्थान में जहां उसकी सरकार है वहां इन गारंटियों पर अमल किया जा रहा है। इसी तरह पिछले साल हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने पुरानी पेंशन योजना लागू करने का वादा किया था, जिसे सरकार बनने के तुरंत बाद लागू कर दिया गया। पुरानी पेंशन योजना राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी लागू कर दी गई है। छत्तीसगढ़ के चुनाव प्रचार में कांग्रेस ने नागरिकों को नकद पैसे देने की न्याय योजना की घोषणा की थी, जिसे राज्य सरकार ने लागू कर दिया है। तभी सवाल है कि कांग्रेस की पांच गारंटी हो या पुरानी पेंशन योजना हो या न्याय योजना हो, इनका क्या जवाब भाजपा के पास है? भाजपा पारंपरिक रूप से हिंदुत्व, राष्ट्रवाद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व के मुद्दे पर लड़ेगी या वह भी कांग्रेस की तरह गारंटियों, वादों की राजनीति में उतरेगी?

ऐसा नहीं है कि भाजपा ने नागरिकों से कुछ वस्तुएं और सेवाएं मुफ्त में देने का वादा नहीं किया लेकिन हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में लोगों ने उस पर यकीन नहीं किया। इसका कारण यह था कि दोनों राज्यों में भाजपा की सरकार थी। यह सामान्य समझदारी की बात है कि सत्तारूढ़ दल कोई वादा नहीं कर सकता है। उसे वादे पर अमल करना होता है। अगर भाजपा वादा करने की बजाय उस पर अमल कर देती तो हो सकता था कि उस पर लोगों को यकीन होता या कांग्रेस के एजेंडे का काउंटर होता। लेकिन भाजपा ने कर्नाटक में घोषणापत्र जारी किया तो कहा कि वह लोगों की पसंद का 1० किलो अनाज हर महीने देगी और हर दिन आधा किलो 'नंदिनी' का दूध देगी। राज्य मे उसकी सरकार थी, अगर वह ये चीजें देना शुरू कर देती तो लोगों को आकर्षित कर सकती थी। जब सरकार में रहते हुए कोई पार्टी कुछ देने की बजाय उसे देने का वादा करे तो उस पर लोगों को यकीन नहीं होता है। ऐसी स्थिति में लोग विपक्ष के वादे पर ज्यादा भरोसा करते हैं। यही हिमाचल प्रदेश में हुआ और कर्नाटक में यही दोहराया गया। तभी इस साल होने वाले चुनावों में राजस्थान और छत्तीसगढ़ की स्थिति अलग है, जहां कांग्रेस की सरकार है और मध्य प्रदेश की स्थिति अलग है, जहां भाजपा की सरकार है।

भाजपा के साथ दूसरी मुश्किल यह है कि कांग्रेस जो गारंटी दे रही है या वादे कर रही है, उसको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मुफ्त की रेवड़ी' का नाम दिया है। इससे भाजपा को दो तरह की मुश्किल हुई है। अगर वह कोई चीज मुफ्त में देने की घोषणा करती है तो हिप्पोक्रेसी जाहिर होती है। यह सवाल उठता है कि जब प्रधानमंत्री इसे राज्यों की अर्थव्यवस्था को खोखला बना देने वाली 'मुफ्त की रेवड़ी' कह रहे हैं तो फिर भाजपा क्यों 'मुफ्त की रेवड़ी' बांट रही है। ध्यान रहे कर्नाटक में प्रधानमंत्री मोदी ने कई सभाओं में कहा कि कांग्रेस ने जितने वादे किए हैं उन्हें पूरा करने में राज्य सरकार का खजाना खाली हो जाएगा, फिर भी वादे पूरे नहीं होंगे। सो, वित्तीय अनुशासन की बात करने वाली पार्टी उसी रास्ते पर कैसे चल सकती है? दूसरी मुश्किल यह है कि अगर भाजपा ऐसी घोषणा नहीं करती है तो उसके नेता जमीन पर जनता को क्या जवाब दें?

कांग्रेस ने पांच गारंटी के तहत सभी घरों को 'गृह ज्योति' योजना के तहत दो सौ यूनिट बिजली मुफ्त देने का वादा किया है। इसके अलावा हर परिवार की महिला मुखिया को 'गृह लक्ष्मी' योजना के तहत दो हजार रुपए मासिक मिलेंगे। गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले परिवारों के हर सदस्य को 'अन्न भाग्य' योजना के तहत 1० किलो अनाज मुफ्त मिलेगा। 'युवा निधि' योजना के तहत डिग्रीधारी बेरोजगारों को तीन हजार रुपए महीना और डिप्लोमाधारी युवाओं को डेढ़ हजार रुपए महीना मिलेगा। पांचवीं गारंटी के तहत सरकारी बसों में 'शक्ति' योजना के तहत महिलाओं को मुफ्त यात्रा का पास मिलेगा। ध्यान रहे कर्नाटक में कांग्रेस के जीतने के और भी कारण थे। राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ एंटी इन्कम्बैंसी, बीएस येदियुरप्पा जैसे बड़े नेता को बदल कर निराकार बसवराज बोम्मई को सीएम बनाने का फैसला, भ्रष्टाचार के आरोप, कांग्रेस का सामाजिक समीकरण और बेहतर प्रबंधन जैसे कई कारण थे। लेकिन 'गृह ज्योति', 'गृह लक्ष्मी', 'अन्न भाग्य', 'युवा निधि' और 'शक्ति' योजना ने गेम चेंजर का काम किया। उसके बाद पहली कैबिनेट में इन पांच योजनाओं को लागू करने की घोषणा देश के दूसरे राज्यों में भी कांग्रेस के ऐसे वादों पर मतदाताओं में भरोसा बढ़ाएगी।

कर्नाटक में कांग्रेस की पांच गारंटियों को लागू करने में करीब 6० हजार करोड़ रुपए का खर्च आएगा। निश्चित रूप से इससे सरकार के खजाने पर बोझ बढ़ेगा। कर्नाटक का सालाना बजट तीन लाख नौ हजार करोड़ रुपए का है, जिसमें 77,75० करोड़ रुपए का कर्ज है। कर्नाटक 19 लाख करोड़ रुपए के सकल घरेलू उत्पादन वाला राज्य है, जहां सरकार राजस्व वसूली के सिस्टम को जरा सा बेहतर करे और सोशल सेक्टर में पहले से चल रही योजनाओं का प्रबंधन करे तो इस खर्च को कम कर सकती है। मिसाल के तौर पर बिजली सेक्टर को पहले से साढ़े नौ हजार करोड़ रुपए की सब्सिडी दी जा रही है। इसी तरह किसानों के लिए 'रैयत शक्ति योजना' चल रही है, स्वास्थ्य के क्षेत्र में 'यशस्विनी योजना' है, दूध की कीमत पर सरकार छह रुपए प्रति लीटर तक पहले से दे रही है। सो, पहले से कई योजनाएं चल रही हैं, जिनके साथ नई योजनाओं को मिला कर गारंटियों को पूरा किया जा सकता है। इसके लिए अरविंद केजरीवाल की तरह यह कहने की जरूरत नहीं है कि भ्रष्टाचार रोक कर उसी पैसे से लोगों को मुफ्त में काफी कुछ दिया जा सकता है। अलग अलग सरकारों में भ्रष्टाचार का स्तर ऊपर-नीचे हो सकता है लेकिन उसे पूरी तरह रोक देने और उस पैसे से लोगों की मदद करने का वादा एक यूटोपियन वादा है। केजरीवाल का मॉडल उच्च आय वर्ग के लोगों से ज्यादा पैसे वसूल कर गरीबी रेखा के नीचे रहने वालों के बीच बांटने का है। कांग्रेस भी यह मॉडल अपना रही है।

बहरहाल, सरकार कैसे वित्तीय अनुशासन बनाए रखेगी, कैसे कर्ज कम रखेगी ताकि ब्याज का भुगतान ज्यादा न करना पड़े, कैसे वित्तीय घाटा काबू में रखेगी यह सब आगे की सिरदर्दी होती है। उससे पहले चुनाव में वादा करने या गारंटी देने में कोई मुश्किल नहीं आती है। दूसरे अरविंद केजरीवाल की राजनीति से कांग्रेस ने यह सीख लिया है कि इस तरह की योजनाओं में ज्यादा खर्च नहीं आता है। अगर बुनियादी ढांचे के विकास को किनारे रखा जाए और समस्याओं का स्थायी समाधान खोजने या अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक सुधार करने की बजाय लोगों की छोटी छोटी समस्याओं को दूर किया जाए तो उनका वोट लिया जा सकता है। हो सकता है कि लंबे समय में यह सोच नुकसानदेह हो लेकिन इसका तात्कालिक चुनावी लाभ मिल सकता है।

तभी भाजपा को इस बारे में गंभीरता से सोचना होगा। कर्नाटक में उसके पारंपरिक मुद्दे नहीं चले। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण कराने वाले मुद्दों का खूब प्रचार हुआ। बाद में बजरंग बली के नारे भी लगे इसके बावजूद उसके स्थायी वोट आधार में कोई नया वोट नहीं जुड़ा। हालांकि इसका एकमात्र कारण कांग्रेस की गारंटियां नहीं थीं। और भी कारण थे। लेकिन वो कारण और राज्यों में भी होंगे, खासकर जहां भाजपा की सरकार है। केंद्र में भी भाजपा की सरकार के 1० साल पूरे होने जा रहे हैं और निश्चित रूप से कुछ सत्ता विरोधी माहौल केंद्र के खिलाफ भी होगा। इस तरह की राजनीति की शुरुआत आम आदमी पार्टी ने की है लेकिन कांग्रेस के प्रति ज्यादा भरोसा इसलिए बनेगा क्योंकि दिल्ली और पंजाब को छोड़ कर बाकी राज्यों में कांग्रेस बड़ी ताकत है। कांग्रेस से मुकाबले वाले ज्यादातर राज्यों में आप की ताकत कम है। इसलिए वह लोगों को भरोसा नहीं दिला पाएगी।

सू- दोकू क्र.053

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.52 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

मंदिरों में छोटे कपड़े पहनने वालों के प्रवेश पर पाबंदी

अजय दीक्षित

उत्तराखण्ड के हरिद्वार, ऋषिकेश व देहरादून के कुछ मंदिरों में छोटे कपड़े पहनने वालों के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गई है। हरिद्वार के दक्षप्रजापति मंदिर, देहरादून के टपकेश्वर महादेव मंदिर व ऋषिकेश के नीलकंठ महादेव मंदिर में उचित वस्त्र ना पहनने वाले स्त्री/पुरुषों के प्रवेश पर निषेध लगा दिया गया। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद द्वारा कहा गया है कि अस्सी फीसदी तक तन ना ढांकने वाली स्त्रियों को मंदिरों में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अखाड़ों से जुड़े देश भर के मंदिरों में यह प्रतिबंध जल्द ही लागू किया जायेगा ।

शुचिता के प्रति श्रद्धालुओं की उपेक्षा के कारण यह पाबंदी लगाने की दलील दी जा रही है। लम्बे समय से ढेरों पूजास्थलों पर इस तरह के प्रतिबंध लगते रहे हैं। मजारों व गुरुद्वारों में सख्ती से यह नियम पहले ही लागू है। वहां श्रद्धालुओं को तन ढंकने के साथ ही सिर ढांकने का नियम भी सख्ती से लागू है। हालांकि मंदिरों में इस तरह के कोई प्रावधान कभी नहीं रहे। अमूमन लोग स्वेच्छा से शालीन वस्त्रों में ही पूजा स्थल जाते रहे हैं। मगर इधर के कुछ सालों में समाज के एक वर्ग में जैसे-जैसे कट्टरता हावी होती नजर आ रही है, वैसे-वैसे धर्म की आड़ में नये दायरे तय किये जा रहे हैं। स्वीकारना होगा कि लोगों का ड्रेस सेंस काफी तब्दील हो रहा है। वे मौसम व सुविधानुसार ही वस्त्रों का चयन नहीं करते, बल्कि फैशनपरस्ती भी हावी रहती है। धार्मिक स्थलों में बदनउघाड़ू वस्त्रों का प्रयोग तर्कसंगत नहीं ठहराया जा सकता। कहना गलत नहीं होगा कि इससे श्रद्धालुओं ही नहीं, बल्कि मंदिर के कर्मचारियों समेत पुजारियों/पंडों का भी मन शांत नहीं रह पाता। कम वस्त्रों में अब स्त्रियां ही नहीं फिरतीं, बल्कि पुरुष भी शॉर्ट्स या नेकर व गंजी जैसी टी- शर्ट में दर्शन करने चल पड़ते हैं। उन्हें पर्यटन व पूजा स्थल के भेद को समझना चाहिए । वस्त्रों में भी स्थान - काल - पात्र की गरिमा जरूरी है। यह भी सच है कि सनातन हिन्दू धर्म विराट है। इसमें संकीर्णताओं व बंधनों के लिए स्थान नहीं रहा है । क्योंकि नागाओं के पूजास्थलों में प्रवेश के निषेध की कभी कोई बात नहीं उठी ।

भक्त व देवताओं के दरम्यान कुछ भी अचीन्हा नहीं है । अपने आराध्य के आगे श्रद्धालु कैसे सिर नबाता है, यह उसकी आस्था पर है। सनातन धर्म किसी भी तरह की कट्टरता से अछूता रहा है, यही इसकी विराटता, महिमा का मुख्य स्रोत है । उसे पाबंदियों में बांधने के प्रयास बचकाने ही कहलाएंगे ।

ज्ञानी और संदेश

एक गांव में दो साधुओं का दल अकस्मात आमने-सामने आ गया। दोनों परस्पर परिचित थे मगर इस समय मौन थे। पूर्व की ओर से आने वाले साधु ने पश्चिम की ओर से आने वाले साधु की ओर ज़ोर से फूंक मारी और उससे मिलने आगे की ओर बढ़े। यह देखकर पश्चिम की ओर से आने वाले साधु ने भी जवाब में अपने एक पैर का पंजा उठाकर सामने वाले साधु की ओर कर दिया। दोनों साधुओं के शिष्यों ने ही दोनों के कृत्यों का अलग-अलग अर्थ निकाल लिया। पहले साधु के शिष्य दूसरे साधु के शिष्यों से भिड़ते हुए बोले- तुम्हारे गुरु ने हमारे गुरु का अपमान किया है। वह कहते हैं कि हमारे गुरु को एक फूंक में उड़ा देंगे। इस पर दूसरे साधु के शिष्य भी भड़क कर बोले-तुम्हारे गुरु ने भी तो कहा है कि हम तुम्हें अपने पैरों के बराबर भी नहीं समझते। दोनों साधु शिष्यों की बातों पर खूब हंसे। एक ने उन सबका भ्रम निवारण करते हुए कहा-अरे, मैंने फूंक मारकर यह संदेश दिया था कि जल्दी मिलो, इन सांसों का कोई भरोसा नहीं है। दूसरा बोला-और मेरे पैर उठाने का अर्थ यह था कि फिर देर किस बात की। आओ, कदम बढ़ाएं और गले मिलें। यह सब सांकेतिक भाषा थी, जिसे समझने में अभी तुम्हें पर्याप्त समय लगेगा।

प्रस्तुति : मुकेश कुमार जैन

महाकाल के भक्त सामाजिक संस्था ने श्री श्री जगन्नाथ जी की 26वीं रथ यात्रा का भव्य स्वागत किया। संस्था द्वारा मीठा शरबत बाटा गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष अंकुर जैन दीपक जेठी गुरप्रीत चाबरा एकांश गर्ग आदि मोजूद रहे।

पुलिस विभाग के नए 'सरदार पटेल भवन' का सीएम धामी ने किया उद्घाटन

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज पुलिस विभाग के नए सरदार पटेल भवन का उद्घाटन किया। साथ ही उन्होंने पुलिस की ईबीट एप को भी लांच किया। इस दौरान मुख्यमंत्री धामी ने पुलिस ट्रेनिंग के नए पाठ्यक्रम का भी विमोचन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि पुलिस के आवास और कार्यालय बढ़ाने के लिए जल्द ही कदम उठाए जाएंगे। बता दें कि उत्तराखंड पुलिस का आवास प्रतिशत 18 फीसदी है जो कि बहुत कम है,इसे जल्द से जल्द बढ़ाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में जमीनों की कमी है, ऐसे में नए भवन का डिजाइन ऐसा हो कि कम से कम जमीन में काम चल जाए। भारत सरकार की फ्लैगशिप स्कीम में उत्तराखंड अब सबसे आगे निकल रहा है, हमें आने वाले 25 सालों को लेकर योजना बनानी होगी। पुलिस को भी इसी हिसाब से तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि गृह विभाग के कामों की भी जल्द समीक्षा की जाएगी, साथ ही बजट की कमी किसी काम में नहीं आने दी जाएगी।

केदारनाथ गर्भगृह प्रकरण की कराई जाये उच्चस्तरीय जांचः कापड़ी

हमारे संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के उप नेता सदन भुवन कापड़ी ने सरकार से मांग की है कि केदारनाथ गर्भगृह प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराना अति आवश्यक है। उन्होने कहा कि केदारनाथ मंदिर के गर्भ ग्रह में जो सोने की निकासी हुई थी उसे तांबे में बदलने के प्रकरण मामले में विभिन्न माध्यमों से लोगों को पता चला है।

उन्होने कहा कि केदारनाथ प्रकरण की चर्चाएं पूरे भारतवर्ष में हो रही हैं जोकि उत्तराखंड की छवि को धूमिल करने का काम कर रहा है क्योंकि श्री केदारनाथ पूरे भारतवर्ष की धार्मिक आस्था से जुड़ा हुआ प्रकरण है इसलिए सरकार को इस मामले में गहनता से जांच करानी चाहिए। उन्होने कहा कि इस प्रकरण में केदारनाथ सभा द्वारा जो बाबा केदारनाथ एक प्रमुख संस्था है उसके द्वारा भी केदारनाथ प्रकरण की जांच कराने के लिए सरकार से कहा गया है सरकार को स्थानीय लोगों की मांग को देखते हुए एवं पूरे प्रदेश की छवि को ध्यान में रखते हुए इस प्रकरण की जांच निष्पक्ष रुप से करानी चाहिए। उन्होने कहा कि अभी यात्रा काल में कई प्रकरण रोज सामने आ रहे हैं जिसमें सोने से तांबा बनने का प्रकरण, गर्भ ग्रह में पैसे उड़ाने का प्रकरण अन्य कई प्रकरण सामने आए हैं। सरकार को ऐसी चीजों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का काम करना चाहिए जिससे आस्था के केंद्र भगवान केदारनाथ से कोई छेड़छाड़ न हो सके एवं जो भी लोग इसमें लिप्त हैं उन पर कठोर से कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, सात घायल

हमारे संवाददाता

नैनीताल। सड़क दुर्घटना में पर्यटकों की कार के गहरी खाई में गिर जाने से जहां एक नौ साल की बालिका की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं सात लोग घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार झनकट खटीमा जिला ऊधमसिंह नगर निवासी मो. परवेज अपनी कार से परिवार सहित नैनीताल घूमने गए थे। सोमवार को वह वापस लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि कार में तीन पुरुष, तीन महिलाएं और दो बच्चे सवार थे। दोपहर करीब दो बजे आम पड़ाव मटियाली बैंड के समीप संकरी पुलिया पर अनियंत्रित हुई कार खाई में जा गिरी। इससे मौके पर चीख-पुकार मच गई जिस स्थान पर हादसा हुआ, वहां बड़ी-बड़ी चट्टानें हैं। इस बीच स्थानीय युवाओं, यात्रियों और चौकी इंचार्ज नरेंद्र कुमार, पुलिस कर्मी दिनेश कार्की ने घायलो को किसी तरह खाई से निकालकर एंबुलेंस व अन्य वाहनों से हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल भेजा। जहां चिकित्सकों द्वारा आयशा (9) पुत्री मो. परवेज को मृत घोषित कर दिया जबकि आमिर (22), नसरीन (45), रूकसा (30), रायशा (8) मोहियुद्दीन (47), मंतशा (17) और मो. परवेज (35) को भर्ती कर लिया गया। जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

घाट से समुदाय विशेष के लोगों को भगाये ▸▸ पृष्ठ 1 का शेष

जाने पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन जब उन्होने वहां गंदगी फैलाई तो उसने उनका विरोध किया है। बहरहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री धामी ने किया राजकीय दून... ▸▸ पृष्ठ 1 का शेष

वहां मौजूद डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, से भी वार्ता की। उन्होंने अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों की उपस्थिति के बारे में भी जानकारी ली। मरीजों के इलाज में इस्तेमाल हो रही विभिन्न आधुनिक मशीनों के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा अस्पताल में यह व्यवस्था भी सुनिश्चित किया जाए कि मरीजों को बेवजह घूमना ना पड़े। एक ही स्थान पर मरीज अधिक से अधिक लाभ लें।

इलैक्ट्रानिक सामान चुराने वाला शातिर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ट्रक से इलैक्ट्रानिक सामान चुराने वाले एक शातिर को पुलिस ने चुराये गये सामान सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज जितेन्द्र चौहान निवासी ग्राम ढालवाला द्वारा कोतवाली लक्सर में तहरीर देकर बताया गया था कि उनके ट्रक से अज्ञात चोरों द्वारा इलैक्ट्रोनिक्स डिवाइस चोरी कर ली गयी है। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस को देर शाम सूचना मिली कि उक्त चोरी में शामिल चोर क्षेत्र में देखा गया है। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान ग्राम टिक्कमपुर से उक्त चोरी में शामिल एक व्यक्ति को दबोच लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम विपिन पुत्र नरेश निवासी टिक्कमपुर बताया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी की गयी इलैक्ट्रानिक डिवाइस भी बरामद की गयी है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

यूपी पुलिस के दरोगा ने दिखायी दबंगई

देहरादून (सं)। वाहन पर टक्कर मारने व विरोध करने पर मारपीट गाली गलौच कर अपने आपको यूपी पुलिस का दरोगा बताकर दबंगई करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अंकुर यादव वाहन चालक गॉडविन ग्रुप ऑफ होटल्स ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज सांय पौने छह बजे अपने मालिक की धर्मपत्नी और बच्चो के साथ मोतीचूर फ्लाई ओवर के समक्ष उनके जाम में खडे वाहन को पीछे से तेज और लापरवाही के साथ गति से आते हुए वाहन के द्वारा जोर से टक्कर मारकर व नशे की हालत में उसको वह उसके मालिक के परिवार धर्मपत्नी और बच्चों साथ नशे की हालत में मारपीट अभद्र भाषा आपत्तिजनक भाषा लडकियों के सामने बदसलूकी कर अपने आपको उत्तर प्रदेश पुलिस का सब इंस्पेक्टर बताते हुए कथित नाम महिपाल सिंह के नाम से बार-बार अपनी गाडी में लगी वर्दी और सरकारी टोपी का रौब दिखाकर उसके व उसके मालिक के परिवार के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट कर रौब जमाते हुए वहां से चला गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

महिला ने चुन्नी का फंदा बनाकर की आत्महत्या

देहरादून (सं)। महिला ने चुन्नी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज समय नौ बजे जरिये कॉलर मोहित ग्रोवर से मोबाइल फोन के माध्यम से एक महिला द्वारा दशहरा ग्राउंड प्रेमनगर के पास घर के अन्दर फांसी लगाने की सूचना प्राप्त हुई। जिस पर थानाध्यक्ष पी.डी. भट्ट तत्काल मय पुलिस बल के मौके पर पहुंचे। जहां से ज्ञात हुआ कि एक महिल का नाम गुरप्रीत पत्नी मनजीत निवासी प्रेमनगर देहरादून द्वारा घर पर कमरे में चुन्नी के सहारे फांसी लगायी गयी थी। मौके पर 108 एम्बुलेंस भी पहुंच चुकी थी जिसके कर्मचारी द्वारा उक्त महिला के मृत होने की पुष्टि की। घटनास्थल से सुसाईड नोट प्राप्त हुआ है। जिसके सम्बन्ध में विस्तृत जांच की जा रही है।

चार मंजिला इमारत में लगी भीषण आग, लाखों का सामान स्वाह

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। नैनीताल रोड स्थित चार मंजिला इमारत पर अचानक आग लगने से अफरा तफरी फैल गयी। इमारत में निजी बैंक, शराब की दुकान और एक रेस्टोरेंट है। आग लगते ही बिल्डिंग में मौजूद लोग बाहर की ओर भागे, जबकि तीन लोग अन्दर ही फंस गए। सूचना पर दमकलकर्मियों ने आग बुझाने के साथ ही फंसे हुए तीन लोगों को सकुशल बाहर निकाला। इस दौरान इमारत के बाहर खड़ीं पांच बाइक-स्कूटी आग की चपेट में आ गई। आग से लाखों का नुकसान होना बताया जा रहा है। वहीं आग पर काबू पाने के लिए दमकलकर्मियों को दो घंटे का समय लग गया।

नैनीताल रोड पर 31वीं वाहिनी पीएसी गेट के सामने चार मंजिला इमारत के प्रथम तल में एक शराब की दुकान, इंडसइंड बैंक और दूसरे तल में मसाला टाउन रेस्टोरेंट है। बताया जा रहा है कि

सोमवार शाम इमारत के बाहर पीवीसी फाइबर में शॉर्ट सर्किट के चलते आग लग गई और कुछ ही देर में इमारत के बाहर की ओर आग की ऊंची-ऊंची लपटें निकलने लगीं।

अफरातफरी के बीच इमारत में मौजूद सभी लोग बाहर की ओर भागे लेकिन तीन लोग फंस गए। सूचना पर दो वाहन लेकर मौके पर पहुंचे रुद्रपुर फायर स्टेशन के दमकलकर्मियों ने इमारत में फंसे तीन लोगों को सकुशल बाहर निकाला।

आग पर काबू पाने के लिए पंतनगर फायर स्टेशन से भी दो वाहन बुलाने पड़े। लगभग सभी वाहनों को दो-दो चक्कर पानी लाना पड़ा। जब जाकर आग बुझ पाई। इस दौरान घटनास्थल पर लोगों की भीड़ लगी रही। इमारत में आग लगने से लाखों रूपये का नुकसान बताया जा रहा है।

एक नजर

ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने की 'आदिपुरुष' पर तुरंत बैन लगाने की मांग

मुंबई। ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है और फिल्म आदिपुरुष पर बैन लगाने की मांग की है। पत्र में मांग की गई है कि फिल्म के निर्देशक ओम राउत, डायलॉग राइटटर मनोज मुंतशिर और प्रोड्यूसर्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। पत्र में कहा गया है कि फिल्म में भगवान राम और यहां तक की रावण को भी वीडियो गेम के कैरेक्टर की तरह दिखाया गया है। डायलॉग से हर भारतीय को दुख पहुंचा है। मांग की गई है कि निर्देशक, डायलॉग राइटर और प्रोड्यूसर जिन्होंने हिंदुओं की भावनाओं को आहत किया है उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हो और भगवान राम, मां सीता और

रामसेवक भगवान हनुमान की इमेज को बचाया जाए। इसमें ये भी कहा गया है कि प्रभास कृति सेनन और सैफ अली खान को ऐसी शर्मनाक फिल्म का हिस्सा नहीं बनना चाहिए था। 16 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई रामायण की कथा पर आधारित फिल्म आदिपुरुष को लेकर देश में बवाल हो रहा है। फिल्म के कुछ डायलॉग का विरोध किया जा रहा है। आरोप है कि इससे हिंदु भावनाएं आहत हुई है। मेकर्स ने बवाल के बीच विवादित डायलॉग बदलने की बात कही है फिर भी विरोध थमता नजर नहीं आ रहा। ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन की ओर से भेजे गए पत्र में पीएम मोदी से अपील की गई है कि फिल्म की स्क्रीनिंग पर तुरंत रोक लगा दी जाए और फिल्म के थिएटर और ओटीटी रिलीज पर बैन लगाने का आदेश दिया जाए। पत्र में दावा किया गया है कि इस फिल्म के स्क्रीनप्ले और डायलॉग से भगवान राम और हनुमान की इमेज खराब हो रही है।

दिल्ली की कानून व्यवस्था के लिए एलजी और गृह मंत्री जिम्मेदार हैंः केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर सीएम अरविंद केजरीवाल ने एलजी को चिट्ठी लिखी है। एलजी को लिखी इस चिट्ठी में सीएम केजरीवाल ने दिल्ली की कानून व्यवस्था पर चिंता जताई है। सीएम ने लिखा कि दिल्ली में कानून व्यवस्था की हालत बहुत ही चिंताजनक है जिसके चलते दिल्ली का हर नागरिक असुरक्षित महसूस कर रहा है।

सीएम ने कहा है कि दिल्ली की कानून व्यवस्था के लिए सीधे एलजी और गृह मंत्री जिम्मेदार हैं। केजरीवाल ने उपराज्यपाल को सलाह देते हुए कहा कि नागरिक, विधायक और आरडब्ल्यूए के साथ मिलकर कानून व्यवस्था सुधारी जाए जिसके लिए थाना लेवल कमेटियों फिर से शुरू किया जाए। बता दें कि इन कमेटियों को कुछ साल पहले भंग कर दिया गया था। केजरीवाल ने मांग की है कि इनध कमेटियों को फिर से शुरू किया जाए जिसमें स्थानीय विधायक और पुलिस की टीम मिलकर स्थानीय स्तर पर कानून व्यवस्था से जुड़े हुए मुद्दों पर विस्तृत चर्चा करते हैं। दिल्ली के दूसरे मुद्दों को लेकर उपराज्यपाल हर मौके पर केजरीवाल सरकार को घेर रहे हैं तो वहीं कानून व्यवस्था को लेकर अब आम आदमी पार्टी सीधे उपराज्यपाल को आड़े हाथों ले रही है।

बलिया में गर्मी और लू से मरने वालों का आंकड़ा 68 हुआ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में पिछले 24 घंटों में गर्मी से संबंधित बीमारियों से 14 और मरीजों की मौत हो गई, जिससे लू से मरने वालों की संख्या बढ़कर 68 हो गई है। राज्य सरकार द्वारा नियुक्त एक समिति ने बांसडीह और गरवार विकास खंडों के उन गांवों का दौरा किया जहां सबसे अधिक

जनहानि हुई है। मेडिकल केयर के डायरेक्टर डॉ। केएन तिवारी और इन्फेक्शस डिजीज के डायरेक्टर डॉ। एके सिंह के नेतृत्व में टीम ने कुछ मृतकों के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और अध्ययन किया कि क्या कोई विशिष्ट पैटर्न देखा जा सकता है। सिंह ने कहा, हमने कुछ परिवारों से बात की और पता चला कि मृतक लंबे समय से अस्वस्थ थे। उनमें से एक को टीबी था। लेकिन गांवों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप है। उन्होंने कहा कि गांवों में बिजली कटौती से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। ऐसे ही एक गांव परबतपुर का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, स्थानीय लोगों ने दावा किया कि ट्रांसफार्मर की खराबी के कारण दो हफ्ते से ज्यादा समय से गांव के आधे से अधिक हिस्से में बिजली नहीं है। राहत उपाय शुरू करने के लिए जिले के अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है।

मौसम का बिगड़ा मिजाज, श्रद्धालुओं की संख्या में कमी

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने वाला है आगामी 3 दिनों में प्रदेश में तेज हवाओं के साथ कहीं हल्की तो कहीं सामान्य से अधिक बारिश होगी। मौसम विभाग द्वारा ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए यात्रियों से सतर्कता बरतने की अपील की गई है। बीते दिनों खराब मौसम के कारण चारधाम यात्रियों की संख्या में कमी आई है। खराब मौसम के कारण आने वाले दिनों में यह संख्या और कम होने की संभावनाए जताई गयी है।

मौसम विभाग द्वारा राज्य में पहले 20-21 जून को मानसून के पहुंचने की संभावनाएं जताई गई थी लेकिन अब राज्य में मानसून 5 दिन की देरी से पहुंचेगा। उम्मीद की जा रही है कि राज्य में 25 जून को मानसून दस्तक देगा। इससे पहले प्री मानसूनी बारिश से प्रदेश में झमाझम बारिश का दौर जारी रहेगा। आगामी 3 दिनों के लिए जारी पूर्वानुमान के अनुसार उत्तराखंड में कहीं सामान्य से

●अगले 3 दिन राज्य में प्री मानसून बारिश का अलर्ट
●अब तक 30 लाख के आसपास यात्री पहुंचे चारधाम
●राज्य में 25 को 5 दिनों की देरी से पहुंचेगा मानसून

कम तो कहीं सामान्य से भारी बारिश तथा तेज हवाओं के साथ होने की संभावनाएं जताई गई है। जिसके चलते भूस्खलन और जलभराव की समस्याओं से दो-चार होना पड़ सकता है।

चारधाम यात्रा का आगाज इस बार खराब मौसम और बारिश तथा बर्फबारी के बीच ही हुआ था। मौसम के बदले मिजाज के बीच भी श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा गया था। बीते कल तक सभी चारों धामों में 29 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की बात शासन प्रशासन द्वारा कही जा रही है। सबसे अधिक 9 लाख से अधिक श्रद्धालु केदारधाम पहुंचे हैं जबकि बद्रीनाथ धाम में 8 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंच चुके हैं।

गंगोत्री और यमुनोत्री धामों में भी इस दौरान चार व पांच लाख के करीब यात्री पहुंचे हैं। लेकिन बीते 3 दिनों से चार धाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार कमी दर्ज की जा रही है जिसका कारण खराब मौसम को माना जा रहा है। अभी आने वाले दिनों में इन श्रद्धालुओं की संख्या में और भी कमी आने की संभावनाएं जताई गई है। अभी 3 दिन में राज्य में होने वाली प्री मानसूनी बारिश के बाद 25 जून को मानसून पहुंचने पर राज्य में अच्छी खासी बारिश होने लगेगी जिसका प्रभाव चार धाम यात्रा पर पड़ना तय है।

प्रशिक्षु आईपीएस जितेन्द्र बने रायवाला थाना प्रभारी

संवाददाता

देहरादून। डीआईजी/एसएसपी दलीप सिंह कुंवर ने प्रशिक्षु आई.पी.एस जितेन्द्र कुमार मेहरा को रायवाला थाना प्रभारी बनाया। आज यहां पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा जितेन्द्र कुमार मेहरा (प्रशिक्षु आई.पी.एस.) को व्यवहारिक प्रशिक्षण के लिए 19 जून 23 से 9 सितम्बर 23 (3 माह) तक की अवधि के लिए थाना प्रभारी (स्वतंत्र प्रभार) थानाध्यक्ष रायवाला के पद पर नियुक्त किया गया हैं। जितेन्द्र कुमार मेहरा द्वारा थानाध्यक्ष रायवाला का पदभार ग्रहण कर लिया गया हैं।

बस खाई में गिरी चालक घायल

संवाददाता

देहरादून। बस के खाई में गिरने से चालक गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसको हायर सेन्टर रैफर किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मसूरी थाना पुलिस को सूचना मिली की बस आइटीबीपी गेट मसूरी देहरादून रोड के पास खाई में गिर गई है इस सूचना पर तत्काल थाने से प्रभारी निरीक्षक, वरिष्ठ उप निरीक्षक, चौकी प्रभारी लाइब्रेरी व अन्य कर्मचारी मय आपदा उपकरण के आइटीबीपी गेट के पास पहुंचे तथा जानकारी की गई तो बस में दो व्यक्ति चालक अहमद अली पुत्र हबीब अली निवासी जमनपुर सेलाकुई जिला देहरादून व उसका पुत्र आसिफ अली पुत्र अहमद अली निवासी उपरोक्त बैठे थे जानकारी करने पर अवगत हुआ कि बस का प्रेशर लीक हो गया था जिस पर बस में बैठे सवारियों को लाइब्रेरी चौक के नीचे एमडीडीए पार्किंग के पास उतार दिया गया था। 108 समय से ना पहुंचने के कारण कोतवाली मसूरी के सरकारी वाहन से घायल अहमद अली को उप जिला चिकित्सालय मसूरी इलाज हेतु लाया गया।

हथकड़ी सहित कैदी फरार

हमारे संवाददाता

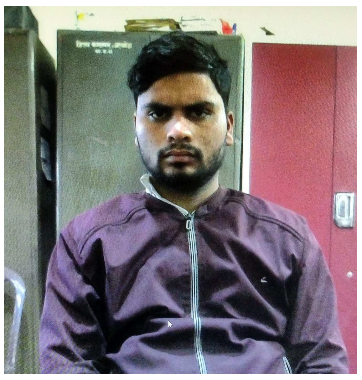

अल्मोड़ा। मित्र पुलिस की कस्टडी से आज सुबह एक कैदी के हथकड़ी सहित फरार हो जाने से हड़कंप मच गया। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस ने उसकी तलाश युद्धस्तर पर शुरू कर दी है। फरार कैदी को बिजनौर न्यायालय में पेश किया जाना था।

जानकारी के अनुसार आज सुबह अल्मोड़ा पुलिस द्वारा एक बदमाश को एनडीपीएस मामले में न्यायालय नगीना बिजनौर में पेश किया जाना था। जिसे पुलिस द्वारा अपनी कस्टडी में लिया गया था। उक्त बदमाश जिसका नाम शाहनाज अहमद पुत्र नसीर अहमद बताया जा रहा है को जब पुलिस लेकर जा रही थी तो वह काशीपुर के समीप पुलिस को चकमा देकर हथकड़ी सहित फरार हो गया है। बदमाश के हथकड़ी सहित फरार होने पर मित्र पुलिस में हड़कंप मच गया और उन्होने उसकी तलाश शुरू कर दी गयी। जब काफी समय तक तलाश करने के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चला तो बदमाश को ले जा रही पुलिस टीम द्वारा घटना की जानकारी कोतवाली काशीपुर को दी गयी। जिसमें बदमाश पर पुलिस कस्टडी से हथकड़ी सहित फरार होने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गयी है। विदित हो कि रविवार शाम उत्तराखण्ड की राजधानी देहरादून में हरियाणा पुलिस की कस्टडी से एक बदमाश जिसका नाम प्रवीण कुमार बताया जा रहा है जिससे पुलिस धोखाधड़ी के एक मामले में पूछताछ कर रही थी, पुलिस को चकमा देकर होटल से फरार हो गया था। जिसमें लापरवाही बरतने पर फरार आरोपी के साथ ही हरियाणा पुलिस के दो पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज कराया गया है।

मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने खुले स्थान से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खदरी श्यामपुर निवासी आशीष गैरोला ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से नेपाली तिराहे पर आया था तथा उसने अपनी मोटरसाईकिल वहां पर खडी कर दी थी। जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।